

प्रेषक,

एस0 रामास्वामी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

(निदेशक)

अर्थ एवं संख्या निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

नियोजन अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 11 जनवरी, 2011

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनेत्तर मद के अंतर्गत पुनर्विनियोग।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप निदेशक, बीस सूत्री कार्यक्रम के पत्र सं0-483/3-ले0-29/09, दिनांक 06 सितम्बर, 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454-02-001-04 के अन्तर्गत मद संख्या-08-कार्यालय व्यय, मद सं0-10-जलकर, मद सं0-12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण, मद सं0-22-आतिथ्य व्यय, मद सं0-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण संयंत्र में संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार बचतों को व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में कुल ₹ 175.00 हजार (₹ एक लाख पचहत्तर हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि के आहरण एवं व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्ही मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिये यह स्वीकृति की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिये नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मित्यवयता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाएगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकतानुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी0एम0-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।
- 4- यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 5- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "3454-जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, 02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनेत्तर, 001-निदेशन तथा प्रशासन, 04-बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन अधिष्ठान- मद सं0-08-कार्यालय व्यय, मद सं0-10-जलकर, मद सं0-12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण, मद सं0-22-आतिथ्य व्यय, मद सं0-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण संयंत्र मद के नामें डाला जायेगा।

6- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय पत्र सं०-643NP/XXVII(5)/2010-11, दिनांक 04 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस० रामास्वामी)

प्रमुख सचिव।

संख्या: 11 (1)/XXVI/तीन (2)/2010 T.C-1, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-✓ महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- उप निदेशक, बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव।

आय-व्ययक प्रपत्र-15

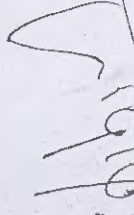
पुनर्विनियोग 2010-11 विवरण पत्र

अनुदान संख्या-07
(धनराशि हजार रू0 में)

आयोजनेत्तर
(प्रशासनिक विभाग-नियोजन विभाग)
नियंत्रक अधिकारी-प्रमुख सचिव, नियोजन

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष धनराशि (सरप्लस)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित की जाने वाली धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-05 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-01 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-07				अनुदान संख्या-07			
3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी				3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी			
02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनेत्तर				02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनेत्तर			
001-निदेशन तथा प्रशासन				001-निदेशन तथा प्रशासन			
04-वीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन अधिष्ठान				04- बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन अधिष्ठान			
16-व्यवसायिक सेवाएं	1400.00						
		522.72	287.28	08-कार्यालय व्यय	130.00	1225.00	मा10 उपाध्यक्ष तथा कार्यालय की आवश्यकताओं के दृष्टिगत विभिन्न मदों में धनराशि ₹ 175.00 हजार की अतिरिक्त आवश्यकता के दृष्टिगत पुनर्विनियोग का प्रस्ताव किया जा रहा है।
				10-जलकर	16.00		
				12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	70.00		
				22-आतिथ्य व्यय	110.00		
				26-मशीनें और सज्जा / उपकरण संयंत्र	60.00		
कुल योग:-	1400.00	522.72	287.28		386.00	1225.00	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट मैनुअल के परिच्छेद-150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।


 (जी0बी0ओली)
 संयुक्त सचिव।